Naidunia (Indore), 14th April 2026, Naidunia City, Page – I

एआइ से बदलेगी खेती की तस्वीर किसानों का मार्गदर्शक बना एग्रीहब

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: देश में खेती को आधुनिक और स्मार्ट बनाने की दिशा में विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। अब उन्नत खेती और बेहतर फसल की बात एआइ की मदद से हो रही है तो कृषि में किसानों को आने वाली परेशानियों को दूर करने की दिशा में भी अब नई तकनीक मददगार साबित हो रही है। इसी के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी इंदौर) में विकसित किया गया एग्रीहब किसानों के लिए मददगार साबित हो रहा है। यह केंद्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) व मशीन लर्निंग और नई तकनीकों की मदद से खेती को आसान बना रहा है। इसके माध्यम से किसान मार्गदर्शन लेकर खेती में आने वाली दिक्कतों को दूर कर सकते हैं। बेशक एग्रीहब की शुरुआत गत वर्ष 27 जनवरी से हुई पर इसके कार्यों के लेकर सोमवार को समीक्षा की गई। इस समीक्षा में यह बात सामने आई

21
प्रोजेक्ट पर आइआइटी इंदौर में बने केंद्र में चल रहा काम

कार्य कर रहा है। अभी यहां कुल 21 प्रोजेक्टों पर काम चल रहा है, जो गेहूं, चावल, चना और सोयाबीन जैसी मुख्य फसलों पर केंद्रित हैं।

प्रो. अरुणा तिवारी के नेतृत्व में यह पहल किसानों, विज्ञानियों और उद्योगों को एक साथ जोड़कर काम कर रही है। एग्रीहब के माध्यम से सालभर में मिट्टी की जांच को आसान बनाया गया है। इसके लिए एक खास किट बनाई गई, जिससे किसान आसानी से मिट्टी की गुणवत्ता जान सकते हैं। साथ ही कंप्यूटर विजन तकनीक से चलने वाली स्मार्ट कीटनाशक छिड़काव मशीन तैयार की गई है, जो कम दवा में बेहतर परिणाम देती है और खर्च घटाती है।

फसल को कटाई के बाद सुरक्षित रखने के लिए एक नया पोर्टेबल किट भी विकसित किया है, जिससे नुकसान कम और गुणवत्ता बनी रहती है। सोयाबीन जैसी फसलों के रोगों का पहले से पता लगाने के लिए आइओटी आधारित सिस्टम तैयार किया गया है, जिससे किसानों को समय पर चेतावनी मिल सके।

शोध और नवाचार की गति बढ़ी

इस केंद्र में हाई-परफार्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम और एग्रीएजएक्स जैसे आधुनिक क्लाउड प्लेटफार्म भी हैं, जो बड़े डेटा का तेजी से विश्लेषण करने में मदद करते हैं। इसके जरिए शोध और नवाचार की गति बढ़ गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम से युवाओं और किसानों को तकनीकों की जानकारी मिल रही है।